राजस्थान विश्वविद्यालय के 78वें स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजनः

विकसित भारत 2047 के संवाहक बने विश्वविद्यालय– राज्यपाल कलराज मिश्र।

———————————————————

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को मूर्त रूप देना राजस्थान विश्वविद्यालय की प्राथमिकता– कुलपति, प्रो. अल्पना कटेजा।

जयपुर– 08 जनवरी। राजस्थान विश्वविद्यालय के 78वें स्थापना दिवस पर आज एक भव्य व गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में किया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल एवं कुलाद्यिपति, श्री कलराज मिश्र द्वारा 4.5 करोड रू. की लागत से नवीनीकृत किए गए मानविकी पीठ सभागार का लोकार्पण किया गया। राज्यपाल श्री मिश्र ने आरम्भ में सभी को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने 'विकसित भारत 2047' के लिए विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने आपको तैयार करने पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षिक गुणवत्ता, शोध–अनुसंधान की मौलिक दृष्टि के साथ अपने आपको इस तरह से विकसित करे कि विदेशों से अभिभावक अपने बच्चों को भारत पढ़ने के लिए भेजने हेतु उत्सुक रहें।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वह स्थान है, जहां से ज्ञान के बीज अंकुरित होते हैं, यहीं से हमारी युवा पीढ़ी भविष्य में कुछ बनने के स्वप्न संजोती है। उन्होंने कहा कि आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने के अमृतकाल में न केवल हमें विकास के लिए निरंतर कार्य करना है, बल्कि आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक तथा लैंगिक असमानताओं को दूर कर तेजी से आगे बढ़ने की भी जरूरत है। देश के विश्वविद्यालयों को इसका संवाहक बनना चाहिए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को अपने यहां ऐसे पाठ्यक्रम निर्मित करने पर जोर दिया जो युवाओं को कौशल संपन्न करने के साथ ही उनकी भविष्य की दृष्टि को विकसित कर सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं को यह विश्वास दिलाए कि उनके निर्णयों पर समाज भरोसा करता है। श्री मिश्र ने राजस्थान विश्वविद्यालय के गौरवमय इतिहास की चर्चा करते हुए विश्वविद्यालय को भविष्य का ऐसा रोडमैप बनाने के लिए भी सलाह दी जिससे यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध की मौलिक दृष्टि के साथ युवा

उद्यमिता विकास के लिए प्रभावी कार्य हो सके। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षा को व्यावहारिक बनाने, खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने और विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य ''धर्मो विश्वस्य जगतः प्रतिष्ठा'' के संदर्भ में समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहते हुए 'विकसित भारत 2047' में सभी को मिलकर योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद बैरवा ने विश्वविद्यालयी शिक्षा के जरिए युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में रिक्त पद भरने के लिए प्रभावी प्रयास होंगे। वहीं सांसद श्री रामचरण बोहरा ने नई शिक्षा नीति के साथ विकसित भारत के लिए चुनौतियों को अवसरों में बदलने की बात कही। विधायक और पूर्व मंत्री श्री कालीचरण सराफ ने विश्वविद्यालय से अपने जुड़ाव की स्मृतियां साझा की व इस अवसर पर अपने विधायक कोष के माध्यम से 20 लाख रु. की राशि विश्वविध्यालय में कंप्यूटर शिक्षा के विकास के लिए प्रदान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए विश्वविद्यालय के गौरवमयी इतिहास की जानकारी दी। उन्होने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व का विषय है कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं उप–मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा इस विश्वविद्यालय के विधार्थी रहे हैं। उन्होने कहा कि यह विश्वविद्यालय अनेक चुनौतियों के बावजूद भी कीर्तिमान स्थापित करता रहा है। उन्होने कहा कि आज द्रूत गति से वैश्विक परिवेश बदल रहा है, जो विकास के अनेक अवसर भी प्रदान कर रहा है, हमें इन अवसरों का उपयोग करना होगा। उन्होने इस अवसर पर कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य को मूर्त रूप देना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इसके तहत विश्वविद्यालय एकेडमिक क्रेडिट बैंक प्रणाली अपना चुका है। केन्द्रीय पुस्तकालय भवन में ई–लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है, शोध छात्रों के लिए रिसर्च पोर्टल का कार्य प्रगति पर है। लोकपाल की नियुक्ति की जा चुकी है। विश्वविद्यालय का नैक द्वारा नए सिरे से मूल्यांकन करवाना भी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। कुलपति ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में पारदर्शी, उत्तरदायी, संवेदनशील एवं विधि अनुरूप प्रशासन एवं बदलते परिवेश में अवरोधक बन रहे कानूनी प्रावधानो में संशोधन एवं परिष्कार करने का भी प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों को समाहित करते हुए प्रकाशित की गई पत्रिका ग्लिमपसेज का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री कालूराम ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत
राजस्थान विश्वविद्यालय